एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 05, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2025)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

सोयाबीन (Soybean) कीट प्रबंधन: समस्या से समाधान तक

*सुरेश बरडे[1], शेर सिंह बोचल्या[2], डॉ. मोनिका पटेल[3] एवं डॉ. शिवपाल सिंह[4]

[1]विद्या वाचस्पति छात्र, कृषि विस्तार शिक्षा, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

[2]विद्या वाचस्पति छात्र, कृषि विस्तार शिक्षा, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

[3]कृषि विस्तार शिक्षा, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

[4]सहायक प्रोफेसर, मेडिकैप्स विश्वविद्यालय, इंदौर

*संवादी लेखक का ईमेल पता: sureshbarde2020@gmail.com

सोयाबीन भारत में एक महत्वपूर्ण दलहन एवं तिलहन फसल है, जिसकी फसल आक्रमण से बचाए रखना जरूरी है। कीटों का प्रकोप फसल की उपज और गुणवत्ता पर गहरा असर डालता है। नीचे प्रमुख कीट और उनके नियंत्रण उपाय दिए गए हैं:

प्रमुख कीट, लक्षण और नियंत्रण

कीट का नाम	लक्षण	नियंत्रण उपाय
सेमीलूपर कीट (Semi-looper)	पत्तियों में पहले छोटे छेद, बाद में बड़े अनियमित छेद; फिल्टर प्रकाश में बाधा; अगस्त से सितंबर तक सक्रिय रहता है।	• खेत की गहरी जुताई • फसल अवशेषों को खत्म करें • प्रति हेक्टेयर 450 ml इमामेक्टिन बेंजोएट 1.9 EC या स्पिनाटोरम 11.7 SC छिड़काव करें
तना मक्खी (Stem Fly)	लार्वा तने में सुरंग बनाते हैं, पौधे सूख जाते हैं; फसल कटाई से पहले 7–10 दिन अत्यंत संवेदनशील समय।	• बीजोपचार: इमिडाक्लोप्रिड या थायामेथोक्सम FS • प्रति हेक्टेयर 350 ml बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (OD) छिड़काव
गर्डल बीटल (Girdle Beetle)	तने और पत्तियों को नुकसान; पौधों की मूड झड़ जाती है।	• प्रारंभिक अवस्था में थायोक्लोरोप्रिड 21.7 SC, प्रोफेनोफॉस 50 EC, या इमामेक्टिन बेंजोएट छिड़काव
टोबैको कैटरपिलर (Tobacco Caterpillar)	पत्तियाँ जालीदार; फूल आने से पहले अधिक प्रभावी।	• प्रति हेक्टेयर इमामेक्टिन बेंजोएट 5 SG (200–250 g) या फ्लूबेंडामाइड 39.35 SC (150 ml) छिड़काव
सफेद मक्खी (Whitefly)	पत्तियों के नीचे समूह में अंडे; रस चूसने से प्रकाश संश्लेषण प्रभावित; फली में भी हमला।	• प्रति एकड़: 4–6 फेरोमोन ट्रैप लगाएँ • 200 लीटर पानी में 100 g थियामेथोक्सम 25% WG; या क्लोपाइरिफ़ोस + साइपरमेथ्रिन; या एसिटामिप्रिड या फ्लूबेंडियमाइड छिड़काव
अन्य कीट (एफिड्स, थ्रिप्स, ब्लू बीटल आदि)	विभिन्न प्रकार के विकृति लक्षण, पत्तियाँ और फलियाँ प्रभावित होती हैं।	• बीज उपचार: थायामेथोक्सम 70 WS या अन्य केमिकल • खेत में जुताई, अवशेष हटाना, अंतरवर्तीय फसलें जैसे ज्वार/मक्का शामिल करें

जैविक एवं प्राकृतिक नियंत्रण उपाय

- बीटी (Bacillus thuringiensis): 1 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव से कीट लार्वा नष्ट होता है। वायरस आधारित NPVs (जैसे SINPV) 250 LE/हेक्टेयर भी प्रभावी साबित होते हैं।
- ब्यूवेरिया बैसियाना (Beauveria bassiana): 1 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव से लार्वा प्रभावित होते हैं।
- प्राकृतिक शिकारी एवं पक्षी: खेत में 'बर्ड-पर्च' लगाना या लकड़ी के खपच्चे लगाने से कीट नियंत्रित हो सकते हैं— चिड़िया एक घंटे में 40–50 कीट खाती है।

ICAR और NSRI द्वारा जारी सलाह (विशेषकर मध्यप्रदेश, इंदौर क्षेत्र के संदर्भ में)

- NSRI इंदौर (जुलाई 2025): सूखे मौसम की परिस्थितियों में फसल संवेदनशील हो जाती है, इसलिए गर्डल बीटल से प्रभावित पौधों को नष्ट करने, स्टेम फ्लाई, बिहार हेयरी कैटरपिलर और लिनसीड कैटरपिलर के लिए समय पर कीटनाशक छिड़काव सलाह दी है।

निष्कर्ष

सोयाबीन फसल की सुरक्षा के लिए एकीकृत प्रबंधन (IPM) आवश्यक है, जिसमें प्रारंभिक पहचान, जैविक कीटनाशकों का प्रयोग, कीटनाशकों का विवेकपूर्ण उपयोग, प्राकृतिक नियंत्रण एवं निगरानी सभी शामिल हैं। इससे फसल को कीटों से संरक्षण मिलता है, साथ ही पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों का संतुलन बना रहता है।

संदर्भ

1. कृषक जगत – "सोयाबीन की प्रमुख कीटों का प्रबंधन"
2. किसान ऑफ इंडिया – "सोयाबीन खेती में कीट प्रबंधन कैसे करें?"
3. मेरी खेती – "आईसीएआर ने बताया सोयाबीन कीट एवं रोग नियंत्रण"
4. ग्रामिक ब्लॉग – "सोयाबीन की फसल में कीट नियंत्रण के उपाय"
5. डिहाट ब्लॉग – "सोयाबीन की फसल में कीटों पर नियंत्रण कैसे करें?"